संख्या-95/2025/28के-2/22-3-2024-17(229)/24

प्रेषक,

शिव गोपाल सिंह,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-3 *लखनऊ: दिनांक 28 मार्च, 2025*

विषय:- केन्द्रीय कारागार, नैनी प्रयागराज में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी दुर्विजय पुत्र श्री पूरन सिंह बन्जारा, निवासी जनपद-कानपुर देहात की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अधीक्षक(मु0) कारागार के पत्र संख्या-5768/प्रो(6)/233(महिला दिव.2024), दिनांक 01.03.2024 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र द्वारा महिला दिवस (18 मार्च, 2024) के अवसर पर स्थाई नीति के अन्तर्गत दयायाचिका के आधार पर केन्द्रीय कारागार, नैनी प्रयागराज में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी दुर्विजय (बंदी संख्या-8606/04) पुत्र श्री पूरन सिंह बन्जारा, निवासी ग्राम-आलापुर (नन्दपुर), थाना-गजनेर, जनपद-कानपुर देहात का समयपूर्व रिहाई का प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया है। बन्दी द्वारा दिनांक 03-02-2004 को बंदी ने 05 वर्षीय काजल के साथ बलात्कार करने के उपरान्त गुप्तांग में लकड़ी डालकर हत्या करने जैसा जघन्य अपराध कारित किया गया है। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-172/2004 में भा0द0वि0 की धारा-302, 376, 363 के अन्तर्गत मा0 न्यायालय, अपर सत्र न्यायाधीश/त्वरित न्यायालय, कक्ष संख्या-8, बांदा के आदेश दिनांक 25.11.2004 द्वारा मृत्युदण्ड से दण्डित किया गया, मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के आदेश दिनांक 07.05.2007 द्वारा मृत्युदण्ड की सजा को आजीवन कारावास में परिवर्तित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 08.03.2024 तक अपरिहार 20 वर्ष, 01 माह, 05 दिन तथा 25 वर्ष, 06 माह, 09 दिन की सपरिहार सजा भोगी गई है तथा बंदी की आयु 42 वर्ष, 03 माह, 09 दिन है। बंदी द्वारा 05 वर्षीय अबोध बच्ची के साथ निर्ममतापूर्वक बलात्कार व हत्या करने जैसा घृणित, जघन्य व संपूर्ण मानवता को शर्मशार करने एवं राक्षसी कुकृत्य वाला अपराध कारित किया गया है जोकि विरल में से विरलतम श्रेणी में आ जाता है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। अतएव बंदी द्वारा कारित अपराध की गंभीरता एवं जघन्यता तथा समाज को प्रभावित करने वाले अपराध के दृष्टिगत दयायाचिका समिति द्वारा शासनादेश संख्या-564/18/1106/22-2-2018-07जी/2018, दिनांक 01-08-2018, यथासंशोधित शासनादेश संख्या-120/2021/1382/22-2-2021-07जी/2018, दिनांक 28-07-2021 तथा यथासंशोधित शासनादेश संख्या-52/2022/1240/22-2-2022-07जी/2018, दिनांक 27-05-2022 के प्रस्तर-12 में निहित प्रावधानों के अर्न्तगत सिद्धदोष बंदी दुर्विजय पुत्र श्री पूरन सिंह बन्जारा की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि केन्द्रीय कारागार, नैनी प्रयागराज में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी दुर्विजय (बंदी संख्या-8606/04) पुत्र श्री पूरन सिंह बन्जारा, निवासी जनपद-कानपुर देहात की भारत का संविधान के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत संदर्भगत शासनादेश दिनांक 01-08-2018, 28-07-2021 तथा 27-05-2022 के प्रस्तर-12 के अधीन दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक् विचारोपरान्त मा0 राज्यपाल महोदया द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। कृपया उपरोक्त से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,
शिव गोपाल सिंह
संयुक्त सचिव

संख्या-28के-2/22-3-2024 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- निजी सचिव, मा0 मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
2- निजी सचिव, मा0 राज्य मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
3- जिला मजिस्ट्रेट, कानपुर देहात।
4- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, नैनी प्रयागराज।
5- नोडल अधिकारी/अधीक्षक जिला कारगार, गाजियाबाद को विशेष अनुज्ञा याचिका (किमि0) संख्या-529/2021 सोनाधर बनाम छत्तीसगढ़ राज्य तथा सुओ मोटो रिट पिटीशन (क्रिमि0) संख्या-4/2021 पालिसी स्ट्रेटजी फार ग्राण्ट ऑफ बेल में मा0 उच्चतम न्यायालय में पारित आदेशों के सन्दर्भ में।
6- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
अनीस अख्तर अंसारी
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है।

http://shasanadesh.up.gov.in